मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 260, मुंबई, शनिवार, 26 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई : 715 होटलों की जांच

33 वॉन्टेड गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। नए साल का जश्न और लॉकडाउन नियमों का पालन कराने के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने मुंबई में ऑपरेशन ऑल आउट अभियान छेड़ रखा है। इस अभियान के तहत मुंबई पुलिस ने महज चौबीस घंटे में 715 होटल्स की जांच की, जबकि 33 फरार आरोपियों को दोबारा गिरफ्तार किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अभियान के दरमियान 1448 गंभीर अपराधों की छानबीन कर इनमें शामिल 238 आरोपियों की शिनाख्त की गई और 93 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

धारावी में पहली बार संक्रमण का एक भी केस नहीं आया, कभी यह इलाका हॉट स्पॉट था

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

दाऊद इब्राहिम के भतीजे सिराज की कोरोना से मौत

कराची के निजी अस्पताल में हफ्तों से चल रहा था इलाज

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के भतीजे की पाकिस्तान के कराची में एक निजी अस्पताल में कोरोना से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, दाऊद के बड़े भाई साबिर कासकर के बेटे सिराज साबिर कासकर का हफ्ते भर से अस्पताल में इलाज चल रहा था। 38 साल के सिराज ने बुधवार की सुबह आखिरी सांस ली। वह कोरोना वायरस से संक्रमित था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

साबिर का इकलौता बेटा था सिराज

सिराज साबिर का इकलौता बेटा था। बता दें कि पठान गिरोह ने साबिर की मान्या सुर्वे की मदद से 80 के दशक में ही गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुंबई के अंडरवर्ल्ड के इतिहास में साबिर की हत्या एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्द है। इसने दाऊद और पठान गिरोह के बीच गैंगवार की घटना को सड़कों पर ला दिया था।

अर्नब गोस्वामी के चैनल पर लगा 20 लाख का जुर्माना

संवाददाता

मुंबई। अर्नब गोस्वामी पर यूके ब्रॉडकास्टिंग रेग्युलेटर ने 20,000 पाउंड (करीब 20 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना उनके ब्रिटेन में हिंदी समाचार चैनल, रिपब्लिक भारत पर किया गया है। उन पर आरोप है कि उनके चैनल ने पाकिस्तानी लोगों के प्रति नफरत को बढ़ावा देने वाली सामग्री दिखाई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

आम आदमी के लिए जनवरी में चलेगी...

LOCAL TRAIN

10 दिन में फैसला

संवाददाता

मुंबई। राज्य के मदद व पूर्वसन मंत्री विजय वडेट्टीवार ने फिर कहा है कि जनवरी में आम आदमी के लिए लोकल सेवा शुरू की जा सकती है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आम मुंबईकरों के लिए भी लोकल खोलना चाहते हैं। इस बारे में अगले दस दिन में फैसला किया जाएगा।' (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जल्दी हो समाधान

किसान आंदोलन में आ रही तेजी और बढ़ते गतिरोध से न केवल चिंता, बल्कि निराशा का भाव भी जागता है। अब इस आंदोलन में सत्तारूढ़ नेताओं को निशाना बनाने की शुरूआत हो गई है। हरियाणा के जींद जिले के उचाना में किसानों ने उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के आने से पहले बनाए गए हेलीपैड को फावड़े से खोद डाला। इतना ही नहीं, किसानों ने 'दुष्यंत चौटाला गो बैक' के नारे भी लगाए। यह पहली घटना है, जब किसानों का प्रत्यक्ष विरोध किसी जिम्मेदार नेता को झेलना पड़ा है। किसानों की भावना अब यह है कि जो नेता उनके समर्थन में नहीं हैं, उनका वे बहिष्कार करेंगे। मगर उन्होंने ऐसा विरोध किया कि दुष्यंत चौटाला को स्वाभाविक ही अपना दौरा रद्द करना पड़ा। चिंता तब और बढ़ जाती है, जब किसान यह बोलते हैं कि जब तक दुष्यंत चौटाला किसानों का समर्थन नहीं करते, तब तक उन्हें इस क्षेत्र में घुसने नहीं देंगे। किसानों की मांग यहां तक है कि दुष्यंत चौटाला यहां आते हैं, तो उन्हें इस्तीफा देकर आना चाहिए। गौर करने की बात है, किसानों ने दो दिन पहले ही नए कृषि कानूनों का विरोध करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के काफिले को रोककर काले झंडे दिखाए थे और हरियाणा पुलिस ने 13 किसानों के खिलाफ हत्या व दंगे की कोशिश का मामला दर्ज किया था। ऐसे विरोध प्रदर्शन और उन पर हो रही कार्रवाई के प्रति अफसोस ही जताया जा सकता है। यदि एक सामान्य किस्म की मांग आपराधिक स्वरूप लेती जा रही है। सब्र का बांध ऐसे ही टूटता रहा, तो किसान आंदोलन राज्यों और देश के लिए दुख का कारण बनेगा। उपवास, भूख हड़ताल, टोल प्लाजा पर कब्जा इत्यादि से स्थितियां दिनों-दिन बिगड़ती चली जाएंगी। ऐसे संकेत भी हैं कि किसान सत्तारूढ़ दल के नेताओं का घेराव कर सकते हैं। चूंकि दिल्ली में किसानों का प्रवेश आसान नहीं है, इसलिए आसपास के राज्यों की राजनीति को भी किसान प्रभावित करने से नहीं चूकेंगे। सामान्य राजनीतिक गतिविधियों पर भी इस आंदोलन का असर पड़ने लगा है और राष्ट्रपति के पास गुहार लगाने जाने वाले नेताओं की संख्या भी बढ़ती जाएगी। आंदोलन और आंदोलन के समाधान, दोनों ही मोर्चे पर सावधानी से काम लेना जरूरी है। दिल्ली और उसके आसपास संवेदनशील और कुशल अधिकारियों को ही शांति बनाए रखने के काम में लगाना चाहिए। सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अपनी सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए। अव्वल तो किसानों के खिलाफ चल रहा दुष्प्रचार भी उनके रोष को बढ़ा रहा है। किसानों की तुलना आतंकियों से करना और खलिस्तान का नाम लेना भड़काने की कोशिश नहीं, तो और क्या है? इसमें कोई शक नहीं कि शांति और समाधान की जिम्मेदारी सर्वाधिक सत्ता पक्ष के नेताओं पर ही है। कानूनों को अगर रद्द नहीं करना है, तो इन्हें कुछ दिनों के लिए क्या टाला नहीं जा सकता? जब मंडी और एमएसपी व्यवस्था को सरकार बनाए रखना चाहती है, तब किसानों को भी पुनर्विचार जरूर करना चाहिए। जिस तरह आंदोलन में किसान एकजुट हैं, वैसे ही अगर वे आगे भी रहे, तो उनका शोषण करने की कोई सोच भी नहीं सकता। आज सत्ता पक्ष को भरोसा जगाना है और किसानों को भरोसा करना है। सचेत रहना चाहिए, इस काम में जितनी देरी होगी, राजनीति भी उतनी ही बढ़ेगी और उसके साथ ही समस्या भी जटिल होती चली जाएगी।

यूपी में नई सियासी हलचल के संकेत

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में वैसे तो अभी एक वर्ष से ज्यादा का समय शेष है, लेकिन ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी अभी से ही राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण सूबे में पैर जमाने के लिए सक्रिय हो गए हैं। इसी कड़ी में उन्होंने भाजपा के पूर्व सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और अन्य छोटे दलों के साथ मिलकर 2022 की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। ओवैसी बिहार में मिली हालिया चुनावी सफलता से उत्साहित हैं। बिहार में उनकी पार्टी ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा और उनमें से पांच सीटें जीतीं। इससे मिले हौसले के बाद वह अब बंगाल और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। बंगाल में अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी को देखते हुए उनका पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ना राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को बदल सकता है। जहां तक उत्तर प्रदेश की बात है तो 2017 के विधानसभा चुनावों में ओवैसी ने 38 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए थे। तब उन्होंने कोई सीट नहीं जीती, पर उन निर्वाचन क्षेत्रों में उनकी पार्टी को 2.47 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार उनका गठबंधन सुहेलदेव पार्टी से है जिसने 2017 में भाजपा गठबंधन घटक के रूप में आठ प्रत्याशी खड़े किए थे और चार सीटें जीती थीं। उन निर्वाचन क्षेत्रों में उसे 34.14 प्रतिशत वोट मिले।

ओवैसी यूपी की करीब सौ विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। प्रदेश में न उनका संगठन है, न जनाधार, न कोई काम, पर यदि कोई तत्व मजबूत है तो वह है सांप्रदायिकता। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 20 प्रतिशत है। 25 जिले और 140 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें मुस्लिम जनसंख्या 20 प्रतिशत से ऊपर है। वे क्षेत्र एआइएमआइएम के लिए लाभदायक रहेंगे, क्योंकि मुस्लिम मतदान की कुछ खास प्रवृत्तियां हैं। जैसे-भाजपा को हराना, जो दल भाजपा को सबसे मजबूत चुनौती दे उसे जिताना है और यदि कोई सशक्त मुस्लिम दल या नेतृत्व उपलब्ध है तो उसे पहले वोट देना है। सवाल है कि फिर 2017 में मुस्लिमों ने ओवैसी को वोट क्यों नहीं दिया? दरअसल तब प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार

थी और मुस्लिमों को उम्मीद थी कि सपा पुनः जीतेगी इसीलिए उन्होंने किसी और विकल्प पर विचार नहीं किया। लिहाजा सपा को मुस्लिमों के 60 प्रतिशत वोट मिले। मायावती ने भी 2017 में दलित-मुस्लिम समीकरण बनाने की कोशिश की थी, पर उनको पहले की ही तरह 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले। अब तो भाजपा को भी मुस्लिमों के वोट मिलने लगे हैं। आंकड़ों के अनुसार भाजपा को 2014 में 10 प्रतिशत, 2017 में सात प्रतिशत और 2019 में आठ प्रतिशत मुस्लिम मत मिले।

बहरहाल 2022 में यूपी में मुस्लिमों को ओवैसी के रूप में एक सशक्त विकल्प मिलेगा। उनके सामने बिहार का मॉडल है। वे ओवैसी में मुस्लिम नेतृत्व की संभावना देखते हैं। इसलिए मुस्लिम मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग सपा से खिसककर ओवैसी की ओर जा सकता है। ओवैसी के गठबंधन में शिवपाल यादव के आने से इसकी संभावना बढ़ जाएगी। दलीय विभाजन और 2017 के विधानसभा चुनावों के बाद सपा हाशिये पर है। उसके नेता अखिलेश यादव आज 'ट्विटर-पॉलिटिशियन' होकर रह गए हैं। पिता मुलायम सिंह से जो सशक्त जनाधार उनको मिला था, वे उसे संभाल न सके। जिस तरह अखिलेश ने 2017 में राहुल गांधी के साथ 'यूपी के दो लड़के' और फिर 2019 में मायावती के साथ 'बुआ- भतीजा' समीकरण बनाने का असफल प्रयोग किया, उससे स्पष्ट है कि सपा को नेतृत्व देने में वह नाकाम रहे हैं। मुस्लिमों का उनसे मोहभंग हुआ है। इसलिए भाजपा की 'बी टीम' कह एआइएमआइएम की उपेक्षा करना सपा को भारी पड़ सकता है। दूसरा नुकसान सुहेलदेव पार्टी को होगा। 2017 में उसे चार सीटें इसलिए मिलीं, क्योंकि भाजपा उसे अपना वोट ट्रांसफर करवा पाई, पर एआइएमआइएम में यह क्षमता नहीं है। इसलिए संभव है सुहेलदेव पार्टी अपनी वर्तमान सीटों को भी न बचा पाए और फायदा केवल ओवैसी को ही हो। ओवैसी का एजेंडा साफ है। वह दलितों और पिछड़ों को हिंदू समाज से काटकर 'हिंदुत्व' पर प्रहार करना चाहते हैं। वह 'सेक्युलर' पार्टियोंसे अल्पसंख्यक अधिकार और मुस्लिम नेतृत्व के मुद्दे छीनकर उनकी अगुआई करना चाहते हैं। वह इन पार्टियोंपर 'सॉफ्ट हिंदुत्व' का आरोप लगाकर उनको 'सेक्युलरिज्म' और 'सॉफ्ट हिंदुत्व' के भंवर में फंसाना चाहते हैं। वह नागरिकता संशोधन कानून, कृषि कानूनों संबंधी किसान आंदोलन, रोजगार के मुद्दों को अल्पसंख्यक सुरक्षा और मुस्लिम प्रतिनिधित्व से जोड़कर दलितों-पिछड़ों के साथ साझा मंच बनाकर कांशीराम के 'बामसेफ' जैसा कोई प्रयोग भी कर सकते हैं। इसकी बानगी गत दिनों बिहार में देखने को मिली।

उत्तर प्रदेश में ओवैसी के आने से भाजपा को जितना नुकसान नहीं होगा उससे ज्यादा उसे सुहेलदेव और अन्य छोटी पार्टियों के छिटकने से हो सकता है। भले ही अपना दल का कृष्णा पटेल गुट ओवैसी के साथ जाए, पर भाजपा के लिए अनुप्रिया पटेल गुट को साथ रखना जरूरी है। उसे कुछ अन्य छोटे और सीमांत दलों को भी साथ रखना होगा जिससे पार्टी की समावेशी छवि बनी रहे। उत्तर प्रदेश में 2014, 2017 और 2019 चुनावों में शानदार प्रदर्शन के कारण सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाने वाले सभी दलित विधायक और सांसद भाजपा के खाते में चले गए जिससे पार्टी को दलित समाज में पैठ बनाने का मौका मिला। इसी के साथ पार्टी ने चुनावों में ओबीसी समाज को उनकी जनसंख्या (40 प्रतिशत) के अनुपात में टिकट देकर पिछड़े वर्ग को भी अपने में मिला लिया। इससे भाजपा का सामाजिक आधार सशक्त हो गया है। इसी के साथ मायावती की यूपी और दलितों से दूरी, सपा की अंतर्कलह और राजनीतिक निष्क्रियता, कांग्रेस का प्रदेश में पतन, जातिवादी राजनीति के ऊपर हावी होती विकास की राजनीति आदि वे कारण हैं जिससे आगामी चुनावों में भाजपा के जनाधार में कमी आने की संभावना नहीं है। फिर भी प्रमुख दलों को ओवैसी के प्रवेश को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

पत्रकारों की बढ़ती शामत

दुनिया भर में पत्रकारिता एक जोखिम भरा काम बनती जा रही है। इस वर्ष ये खतरा और बढ़ गया। न्यूयॉर्क स्थित कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) की एक ताजा रिपोर्ट मुताबिक इस साल कम से कम 30 पत्रकारों की हत्या हुई। इनमें से 21 को तो साफ तौर पर बदला लेने के लिए मारा गया। 2019 में दुनिया भर में ऐसे 10 मामले सामने आए थे। सीपीजे एक बयान में कहा कि यह देखना भयावह है कि बीते एक साल में पत्रकारों की दोगुनी हत्याएं हुई हैं। ये बढ़ोतरी दिखाती है कि बेखौफ होकर पत्रकारों से बदला लेने की प्रवृत्ति से लड़ने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय नाकाम हुआ है। रिपोर्ट में कई भयानक मिसालों का जिक्र है। मसलन, अफगानिस्तान के गजनी शहर में पत्रकार रहमतुल्लाह नेकजाद अपने घर के पास ही मौजूद मस्जिद की तरफ जा रहे थे। तभी साइलेंसर वाली एक पिस्तौल से उन्हें गोली मारी गई। अफगान पत्रकार समिति के प्रमुख रह चुके नेकजाद की मौके पर ही

मौत हो गई। नेकजाद एसोसिएटेड प्रेस न्यूज एजेंसी के लिए बतौर फ्रीलांस पत्रकार काम करते थे। दो महीनों में यह तीसरा मामला था, जब अफगानिस्तान में किसी पत्रकार की हत्या हुई। नेकजाद की हत्या की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली। तालिबान ने एक बयान जारी कर नेकजाद की मौत को देश के लिए क्षति बताया। तो फिर सवाल उठा कि आखिर उनकी हत्या के पीछे किसका हाथ है। अफगानिस्तान के मुकाबले काफी शांत कहे जाने वाले कई देशों में भी पत्रकारों पर हमले बढ़े हैं। भारत में भी 2020 में बदला लेने के लिए दो पत्रकारों की हत्या की गई। वहीं फिलीपींस में 2020 में तीन पत्रकारों की हत्या की गई। ईरान में हाल ही में रुहोल्लाह जाम नाम के पत्रकार को मौत को फांसी दे दी गई। रुहोल्लाह ने 2017 में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान रिपोर्टिंग की थी। मेक्सिको में पत्रकार और आम लोग ड्रग्स माफिया के गैंगवॉर का और ज्यादा शिकार बनने लगे हैं। मेक्सिको में इस साल ड्रग्स से जुड़ी हिंसा के चलते 31,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सीपीजे के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी अगर नहीं आती, तो यह संख्या बढ़ भी सकती थी। कोरोना के कारण कई इलाकों में पत्रकारों की आवाजाही प्रभावित रही। पहले पत्रकारों की हत्या एक बड़ा मसला बनती थी। लेकिन अब इसे सामान्य घटना माना जाने लगा है। आखिर क्यों?

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

धारावी में पहली बार संक्रमण का एक भी केस नहीं आया, कभी यह इलाका हॉट स्पॉट था

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के उपनगर और एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में शुक्रवार को कोरोना का एक भी नया मरीज नहीं मिला। यहां पहला केस 1 अप्रैल को आया था। तब से ऐसा पहली बार हुआ। 10 लाख से ज्यादा की आबादी वाले इस इलाके में एक ही महीने में कोरोना के केस में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। रोजाना करीब 100 केस आ रहे थे। एक समय कुल संक्रमितों का आंकड़ा 3000 के पार पहुंच गया था। टेस्टिंग और सख्ती बढ़ाने पर यहां जुलाई में केस काबू हुए। यहां कोरोना से निपटने के तरीकों की विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी तारीफ की थी। ब्रिटेन में मिले कोरोना के दो नए वैरिएंट को लेकर सरकार सजग है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि ब्रिटेन से गोवा आने वालों को निगेटिव रिपोर्ट आने पर भी कुछ दिन आइसोलेशन में रखा जाएगा। उधर, कर्नाटक में ब्रिटेन से लौटे 10 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। वे नए स्ट्रेन से संक्रमित हैं या नहीं इसका पता लगाने के लिए उनके सैम्पल रिसर्च सेंटर भेजे गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उधर, असम में भी ब्रिटेन से लौटा एक व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाया गया है। उसका सैम्पल जांच के लिए पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने यह जानकारी दी।

पिछले 24 घंटे में 23 हजार से ज्यादा मामले आए: देश में गुरुवार को 23 हजार 444 कोरोना संक्रमितों की पहचान हुई, 24 हजार 555 मरीज ठीक हो गए, जबकि 337 की मौत हो गई। अब तक कुल 1 करोड़ 1 लाख 47 हजार 468 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 97.17 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं, 1.47 लाख मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि 2.80 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

'लोकल चुनाव मिलाकर लड़ें एनसीपी और शिवसेना'

मुंबई। आने वाले स्थानीय निकाय में चुनावों में एनसीपी शिवसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की इच्छुक है, भले उसमें कांग्रेस शामिल हो या नहीं हो। पार्टी ने ऐसा संकेत दिया है। यहां तक कि पार्टी ने स्थानीय नेताओं की शिवसेना के स्थानीय नेताओं से चर्चा करने के लिए भी कहा है। गौरतलब है कि गत दिनों ऐसी चर्चा निकली कि आने वाले स्थानीय निकायों के चुनाव में महाविकास आघाडी के घटक दल एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस गठबंधन कर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस की ओर से कई नेताओं ने बयान जारी किया कि वे स्थानीय निकाय के चुनाव अपने दम पर लड़ेंगे। ऐसे में एनसीपी शिवसेना के साथ चुनाव लड़ने का मन बना रही है। इसके लिए

पार्टी ने स्थानीय नेताओं से संभावनाएं तलाशने के लिए कहा है। गत दिनों एनसीपी नेता व राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव हारने वाले एनसीपी उम्मीदवारों के साथ बैठक की। बैठक में अजित पवार ने पदाधिकारियों को स्थानीय स्तर पर शिवसेना के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया। अजित पवार ने कहा कि हम शिवसेना के साथ निरंतर गठबंधन जारी रखना चाहते है। पवार ने कहा कि राज्य में शिवसेना के नेतृत्व में महाविकास आघाडी सरकार बनने के बाद राज्य में स्थानीय स्तर पर तीनो पार्टियों के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के बीच बहुत झड़प हुई लेकिन इन सबके बावजूद हम शिवसेना के साथ स्थानीय स्तर पर गठबंधन करना चाहते हैं। इसीलिए स्थानीय स्तर पर शिवसेना के साथ एनसीपी नेताओ को बातचीत करना चाहिए। बैठक में पराजित उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त वोट, क्षेत्रों में पार्टी की स्थिति और उम्मीदवारों की हार के कारणों पर चर्चा की गई।

'बिना लक्षण वाले मरीजों की आगमन पर कोरोना वायरस की जांच नहीं की जाएगी'

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने अपने नए परिपत्र में कहा कि यूरोप, दक्षिण अफ्रीका और पश्चिम एशिया से आने वाले ऐसे यात्रियों की आगमन पर तत्काल कोरोना वायरस की आरटी-पीसीआर जांच नहीं कराई जाएगी, जिनमें कोरोना वायरस के ल क्षण नहीं होंगे । यह परिपत्र उक्त क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों के संबंध में 21 दिसंबर को जारी मानक संचालन प्रोटोकॉल (एसओपी) को संशोधित करता है। यह एसओपी ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया प्रकार सामने आने के बाद जारी की गई थी। यूरोप, दक्षिण अफ्रीका और पश्चिम एशिया से आने वाले (कोरोना वायरस के) बिना लक्षण वाले यात्रियों के लिए सात दिन तक संस्थागत पृथक-वास में रहना अनिवार्य है जबकि बीमारी के लक्षण वाले मुसाफिरों को तत्काल अस्पतालों में भर्ती कराया जाएगा। परिपत्र कहता है कि बिना लक्षण वाले मुसाफिरों की आगमन पर आरटी-पीसीआर जांच नहीं होगी। उसमें कहा गया है कि यह जांच पांच से सात दिन के बीच उस होटल में होगी जहां वे पृथक-वास में रह रहे होंगे। यात्री को ही जांच का खर्च उठाना होगा। अगर जांच रिपोर्ट में संक्रमित होने की पुष्टि नहीं होती है तो यात्री को संस्थागत पृथक-वास से छुट्टी दे दी जाएगी लेकिन उन्हें अगले सात और दिनों तक घर में पृथक-वास में रहना होगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबईः 715 होटलों की जांच

मादक पदार्थों से संबंधित 9 मामले दर्ज किए गए। ट्रैफिक पुलिस की मदद से 112 जगहों पर नाकाबंदी की गई, जबकि 7606 गाड़ियों की जांच हुई। पुलिस ने 213 जगहों पर कॉम्बिंग ऑपरेशन किया, जबकि 433 इलाकों में पैदल मार्च किया। तड़ीपार हुए 10 बदमाशों को दोबारा पकड़ा गया और 14 हथियार भी बरामद किए गए। इस दौरान विभिन्न अपराधों में वांछित 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था के मार्गदर्शन में मुंबई के सभी 5 परिमंडलों के तहत 94 पुलिस स्टेशनों के प्रभारियों ने विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया है।

दाऊद इब्राहिम के भतीजे सिराज की कोरोना से मौत

खबर के मुताबिक, सिराज शादीशुदा था और कराची के संरक्षित क्लिफ्टन इलाके में दाऊद के महलनुमा बंगले से सटे एक घर में रहता था। सूत्रों के मुताबिक, दाऊद, गैंगस्टर अनीस इब्राहिम और दाऊद के बॉडीगॉर्ड्स सिराज के शव को लेकर अब्दुल्ला शाह गाजी दरगाह के पास स्थित कब्रिस्तान में लेकर गए थे। यहीं पर दाऊद के भाई-बहन को सुपुर्दे-खाक किया गया है। सिराज की मौत की खबर बुधवार को मुंबई और दुबई में दाऊद के कुछ करीबियों और रिश्तेदारों को दी गई। दुबई में दाऊद के अधिकांश प्रतिष्ठानों ने शोक के रूप में अपनी दुकानों के शटर गिरा दिए। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को कराची से की जा रही संदिग्ध कॉल पर नजर रखने के दौरान सिराज की मौत के बारे में पता चला।

अर्नब गोस्वामी के चैनल पर लगा 20 लाख का जुर्माना

ऑफकॉम ने वर्ल्डव्यू मीडिया नेटवर्क लिमिटेड पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसके पास रिपब्लिक भारत का लाइसेंस है। वर्ल्डव्यू मीडिया यूके में हिंदी भाषी समुदाय को लक्षित करता है। ऑफकॉम ने जुर्माना लगाने के साथ ही चैनल के लिए गाइडलाइंस भी जारी की हैं। इसके तहत चैनल को ऑफकॉम की फाइंडिंग्स को चलाना होगा। इसके अलावा चैनल पर कोई भी प्रोग्राम रिपीट नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

आम आदमी के लिए जनवरी में चलेगी लोकल ट्रेन!

उन्होंने कहा कि दिसंबर के अंतिम 15 दिनों में सामने आई कोरोना संक्रमितों की संख्या, ठीक होने वाले रोगियों और कोरोना की दूसरी लहर पर विचार करने के बाद ही यह फैसला होगा। हालांकि वडेट्टीवार पहले भी इस तरह की घोषणा कर चुके हैं। गुरुवार को मुंबई में कोरोना के 643 नए मरीज मिले और 12 लोगों की मौत हुई। यहां डबलिंग रेट अब 366 दिन हो गया है। गुरुवार को राज्य में कोरोना के 3,580 नए मरीज मिले और 89 लोगों की मौत हुई। राज्य में 3,171 और मुंबई में 711 मरीजों को अस्पतालों से डिस्चार्ज किया गया।

वाशी में बलात्कार के बाद चलती लोकल से महिला को नीचे फेंका, हालत गंभीर

मुंबई। मुंबई से सटे नवी मुंबई के वाशी इलाके में चलती लोकल में बलात्कार का मामला सामने आया है। यह घटना मंगलवार सुबह की है, जब 24 वर्षीय महिला के साथ चलती लोकल में दुष्कर्म किया गया। महिला गंभीर अवस्था में वाशी की रेलवे ट्रैक पर बेहोशी की हालत में मिली थी। इस मामले में वाशी जीआरपी ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 और 376 के तहत मुकदमा दर्ज किया है और आगे की छानबीन शुरू है। इस घटना की जानकारी जयंती को तब मिली जब एक मोटरमैन ने घायल लड़की को देखा और उसके बाद स्टेशन मास्टर को बताया जिसके बाद स्टेशन मास्टर ने यह सूचना जीआरपी को बताई। जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह वाशी खाड़ी के पास रेलवे की पटरी पर यह महिला घायल अवस्था में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही थी। वारदात की जानकारी मिलते ही मौके पर जीआरपी के अधिकारी पहुंचे। उन्होंने घायल महिला को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया लेकिन महिला की हालत ज्यादा नाजुक होने की वजह से उसे मुंबई के जेजे अस्पताल में रेफर कर दिया गया। फिलहाल महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है।

समाचार विशेष
मुंबई, शनिवार, 26 दिसंबर 2020

शोपियां एनकाउंटरः एक आतंकी ढेर, आर्मी के दो जवान घायल, मुठभेड़ जारी

जम्मू। कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों और आर्तकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है, जबकि दो जवान घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दोनों तरफ से फायरिंग हो रही है। बता दें कि सुरक्षाबलों को जिले के कनिगम इलाके में आर्तकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान आर्तकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। अभी तक एक आतंकी के मारे जाने की खबर है। जबकि सेना के दो जवान घायल हो गए हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर के त्राल में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सैयदाबाद इलाके से आर्तकियों के एक मददगार को पकड़ा है। पिछले तीन दिनों में सुरक्षाबलों ने आर्तकियों के 11 मददगारों को गिरफ्तार किया है। त्राल के गांव सैयदाबाद में तलाशी के दौरान आमिर अशरफ खान पुत्र मोहम्मद अशरफ खान निवासी सैयदाबाद पस्तूना को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। उसके कब्जे से एक चीनी हथगोला बरामद किया गया। पुलिस थाना त्राल में उक्त आतंकी सहयोगी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस ऑपरेशन को अवंतीपोरा पुलिस, 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन ने अंजाम दिया है।

किसानों को सरकार का फिर न्योता

40 किसान नेताओं को भेजा गया पत्र, किसान नेता बोले- तीन शर्तें पूरी होने पर करेंगे वार्ता

नई दिल्ली/संवाददाता

सरकार ने किसानों को खुले मन से वार्ता करने का लिखित प्रस्ताव भेजा है,जिसमें बस यही कहा गया है कि कृषि कानूनों से अलग नई मांगे नहीं की जाएं। किसान इस पर शुक्रवार को बैठक करेंगे। हालांकि प्रमुख किसान नेता कुलवंत सिंह संधू ने पूछने पर वार्ता के लिए तीन शर्तें बताईं।

नई दिल्ली : गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों के समर्थन में प्रदर्शन करते पंजाबी गीतकार एवं गायक।

उन्होंने कहा कि पहला एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) स्वामीनाथन के सी2 प्लस 50% फार्मूले पर चाहिए। दूसरा सभी फसलों की सरकारी खरीद एमएसपी पर करने का लिखित आश्वासन। तीसरा जमाखोरी पर रोक जारी रहे। जब प्रमुख किसान नेता से पूछा गया कि क्या अब वार्ता के लिए पहले कृषि कानून रद्द करने या स्थगित करने पर जोर नहीं है तो उन्होंने कहा कि वार्ता तो बताई गई तीन शर्तों पर हो सकती है और ये शर्तें भी कृषि कानून से सम्बंधित ही हैं। किसान संगठनों ने आईटी सेल के वेविनार की वजह से वृहस्पतिवार को बैठक नहीं की। इससे पहले सरकार ने प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों को वार्ता के लिए वृहस्पतिवार को फिर आमंत्रित किया।

ये हैं 3 शर्तें

एमएसपी सी2 प्लस 50% पर सभी फसलों की खरीद MSP पर जमाखोरी पर रोक जारी रहे

■ सरकार ने कहा, एमएसपी से संबंधित नई मांग को एजेंडे में शामिल करना नहीं होगा तार्किक

साथ ही स्पष्ट किया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से संबंधित किसी भी नई मांग को एजेंडे में शामिल करना 'तार्किक' नहीं होगा। इसका नए कृषि कानूनों से कोई संबंध नहीं है।

कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने 40 किसान नेताओं को लिखे तीन पन्नों के पत्र में कहा, 'मैं आपसे फिर आग्रह करता हूं कि सरकार प्रदर्शन को समाप्त कराने के लिए सभी मुद्दों पर खुले मन से और अच्छे इरादे से चर्चा करती रही है और ऐसा करती रहेगी। कृपया अगले दौर की वार्ता के लिए तारीख और समय बताएं।' सरकार और किसान संगठनों के बीच पिछले पांच दौर की वार्ता का अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है।

कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस ने राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली/संवाददाता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने वृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपकर तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग की। पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करते हुए राहुल गांधी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात करने के वाद कहा कि सरकार को संसद का संयुक्त सत्र बुलाना चाहिए और इन कानूनों को वापस लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दो करोड़ हस्ताक्षरों के साथ राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया गया है। इस प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नवी आजाद और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ आवाज उठाने वालों को आतंकवादी या राष्ट्रविरोधी करार दिया जाता है। उधर कांग्रेस मुख्यालय से पार्टी नेताओं ने राष्ट्रपति भवन की तरफ मार्च आरंभ किया, जिसे कुछ ही दूरी पर पुलिस ने रोक दिया। इसके वाद कांग्रेस के नेता वहीं बैठ गए और प्रदर्शन किया। पुलिस ने इन नेताओं को हिरासत में लिया जिन्हें वाद में छोड़ दिया गया।

इंग्लैंड में संकट

कोरोना के मामलों में भारी उछाल, हर 85 में से एक व्यक्ति संक्रमित

संवाददाता

लंदन। इंग्लैंड में रिकॉर्ड संख्या में लोगों को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है जबकि कोरोना वायरस संक्रमण में लगातार वृद्धि के कारण शुक्रवार को लाखों लोगों ने दोस्तों और परिवार से दूर रहकर सादे ढंग से क्रिसमस मनाया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के टेस्ट एंड ट्रेस नेटवर्क के आंकड़े के मुताबिक, 10 से 16 दिसंबर के बीच एक लाख 73 हजार 875 लोगों को संक्रमित पाया गया, जो किसी सप्ताह का उच्चतम आंकड़ा है और पिछले सप्ताह की तुलना में 58 फीसदी अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के अनुसार, ब्रिटेन के कुछ हिस्सों में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वेल्स में जांच में लगभग 60 लोगों में से एक को संक्रमित पाया गया और इंग्लैंड में 85 में से एक को संक्रमित पाया गया है। इसे संबंध में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने आगाह किया है कि नए साल में कोरोना वायरस के नए प्रकार के

संक्रमण को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने के लिए सख्त प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घातक वायरस के नए प्रकार के फैलने से देश भर में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं क्योंकि वे अधिक संक्रामक हैं। जिसकी वजह से ब्रिटेन के अधिकांश हिस्सों में सख्त लॉकडाउन लगाया गया है, लंदन और आसपास के क्षेत्रों में टीयर 4 स्तर का लगभग पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया है। गुरुवार को डाउनिंग स्ट्रीट में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री जॉनसन ने कहा था, हमें लगता है कि हमें अब इस कठिन दौर से गुजरना होगा, जैसा कि मैंने कई बार कहा है, हमें बहुत कठिन प्रतिबंध लगाने होंगे। जॉनसन ने कहा, मुझे इसका (प्रतिबंध लगाने का) बहुत दुख है, मुझे लगता है कि जनवरी में इस संक्रमण के नियंत्रण से बाहर होने से रोकना हमारे लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने आगामी वसंत तक टीकाकरण होने से सामान्य जनजीवन की ओर लौटने का संकेत दिया। स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल विभाग के इस सप्ताह जारी आंकड़ों से पता चला है कि छह लाख 16 हजार 933 लोगों ने फाइजर/बायोटेक वैक्सीन की पहली खुराक प्राप्त की थी। दूसरी ओर, हर बार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला क्रिसमस का त्योहार भी ब्रिटेन में इस बार फीका रहा। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और उनके 99 वर्षीय पति प्रिंस ने सादे ढंग से क्रिसमस मनाया। शाही दंपति ने दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में बर्कशायर काउंटी के विंडसर कैसल में क्रिसमस मनाया।

टीआरपी घोटालाः अदालत ने बार्क के पूर्व सीईओ को पुलिस हिरासत में भेजा

मुंबई। मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट (टीआरपी) के कथित घोटाला मामले में रेटिंग एजेंसी 'ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल' (बार्क) के पूर्व कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पार्थो दास गुप्ता को शुक्रवार को 28 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने को 55 वर्षीय दासगुप्ता को पुणे जिले में तब गिरफ्तार किया जब वह गोवा से पुणे जा रहे थे। उन्हें शुक्रवार को मुंबई की एक अदालत में पेश किया गया पुलिस ने जांच के लिए उनकी रिमांड मांगते हुए कहा कि घोटाले में उनकी भूमिका को समझने के लिए उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत है। दासगुप्ता के वकील कमलेश घुमरे ने दलील दी कि उनके खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के मामले दर्ज किए गए हैं, जो उनके खिलाफ नहीं बनते है। दोनों पक्षों की

दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 28 दिसंबर तक अपराध शाखा की हिरासत में भेज दिया। कुछ टीवी चैनलों द्वारा टीआरपी से छेड़छाड़ करने के मामले में गिरफ्तार होने वाले आरोपी दासगुप्ता 15वें व्यक्ति हैं। मामले के ज्यादातर आरोपी अभी जमानत पर हैं। पुलिस ने कहा कि बीएआरसी के पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी रोमिल रामगढ़िया से पूछताछ में पता चला कि वह दासगुप्ता की मिलीभगत से टेलीविजन रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) फजीवाड़े में शामिल थे। रामगढ़िया को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।अदालत ने गुरुवार को मामले में एक अन्य आरोपी बार्क के पूर्व मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) रामिल रामगढ़िया को जमानत दे दी थी। दासगुप्ता जून 2013 से नवंबर 2019 के बीच बीएआरसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थे।

मध्यप्रदेशः शिवराज की चेतावनी-गुंडे-माफिया राज्य छोड़ दो, वरना 10 फीट नीचे जमीन में गाड़ दूंगा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को होशंगाबाद जिले के बाबई विकासखंड में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के मंच से राज्य के असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा, गुंडे-माफिया राज्य छोड़ देना, वरना 10 फीट नीचे जमीन में गाड़ दूंगा। मामा आजकल फॉर्म में हैं। मैं गड़बड़ करने वालों को छोड़ूंगा नहीं। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित कई नेता मौजूद थे। अपने संबोधन में शिवराज ने कहा, आजकल अपन खतरनाक मूड में हैं। गड़बड़ करने वालों को छोड़ेंगे नहीं। आजकल मामा फार्म में हैं। एक

तरफ माफियाओं के खिलाफ अभियान चल रहा है। मसल पावर का, रसूख का इस्तेमाल करके कहीं अवैध कब्जा कर लिया, कहीं भवन तान दिए, कहीं ड्रग माफिया। सुन लो रे मध्यप्रदेश छोड़ देना नहीं तो जमीन में गाड़ दूंगा 10 फीट। पता नहीं चलेगा कहीं भी किसी को। सुशासन का मतलब जनता परेशान न हो। दादा, गुंडे, बदमाश ये अब कोई नहीं चलने वाला है। ये सुशासन है। उन्होंने प्रदेशवासियों से कहा कि अब लोगों को कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। सुशासन का मतलब बिना कुछ लिए-दिए तय समयसीमा में जनता को लाभ दिलाया जाए।

बुलढाणा हलचल

कृषि कानून के खिलाफ बुलडाणा में महिला कांग्रेस का एल्गार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। केंद्र सरकार ने तीन किसान विरोधी कानूनों को पारित करके किसानों के साथ बहुत अन्याय किया है। पिछले 28 दिनों से, पूरे भारत के महिला, पुरुष और युवा किसान कडाके की ठंड में कृषि कानुन के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके समर्थन में, स्थानीय जयस्तंभ चौक पर 25 दिसंबर को महाराष्ट्र प्रदेश महिला कांग्रेस और सभी जिला महिला कांग्रेस द्वारा एक आंदोलन किया गया। महाराष्ट्र प्रदेश महिला कांग्रेस और ऑल डिस्ट्रिक्ट महिला कांग्रेस की ओर से जयस्तंभ चौक पर सुबह 11 बजे से आंदोलन शुरू किया गया। इस समय, महिला पदाधिकारी एक साथ आ रही और मोदी सरकार के खिलाफ नारे लगा कर जयस्तंभ चौक में धरना दिया। इसके बाद, मिनाल्ताई अम्बेकर ने मांगों के निवेदन न को पढ़ा। इस बयान में, केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए किसान विरोधी कानून के विरोध में पिछले कई दिनों से दिल्ली में किसानों का आंदोलन चल रहा है। हालाँकि अधिकांश सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने आंदोलन का समर्थन किया है और किसानों का समर्थन किया है, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक कोई दखल नहीं की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसान विरोधी काले कानून को जल्द से जल्द रद्द करने के लिए आंदोलन किया जा रहा है। साथ ही, दिल्ली से सड़कों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कानून को निरस्त करने की मांग करने के लिए सड़कों पर ले लिया, कहा कि जब तक मोदी सरकार काले कानून बिल को वापस नही लेगीं तब तक कांग्रेस कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे। इस कानून से किसानों को नुकसान होगा और अंबानी और अडानी उद्यमियों को फायदा होगा। ऐसा उन्होंने कहा है। मोदी सरकार के किसानों की रुकावट के बावजूद, किसान नहीं रुके हैं। दिल्ली की सीमा पर उनका आंदोलन जारी है और जिस कुर्सी पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे हैं उस कुर्सी के पहीय्ये अंबानी और अडानी की है। ईसी लिए केंद्र सरकार किसान विरोधी काले कानूनों को वापस नहीं ले रही है। इस आंदोलन में, म.प्र.म. कॉ.उपाध्यक्षा मिनलताई आंबेकर, जिल्हा परिषद अध्यक्षा सौ मनिषाताई पवार, निर्मलाताई अंभोरे, ज्योतीताई ढोकणे, आशाताई इंगळे, नेहल देशमुख, मिनाताई सानप, शिवानी देशमुख, ज्योत्स्ना जाधव, बनोबी चौधरी, लताताई पारस्कर मनोरमा सातव शिलाताई वानखेडे रेखाताई कोल्हे भुलाबाई जोगले सुभद्राबाई जेऊघाले रेणुका ताई टिकार, लक्ष्मीबाई हाडे दांदडे ताई म.प्र.कॉ. क. (अनु.जाती) विजय अंभोरे संजय राठोड, लक्ष्मणराव घुमरे, डॉ. संतोष आंबेकर यांच जिल्हाभारातील काँग्रेस पदाधिकारी बड़ी संख्या में भाग लिया था। आंदोलन के अंत में बांध का राष्ट्रगान के साथ समापन किया गया।

खामगांव में नकली बीड़ी विक्रेता गिरफ्तार, 855 बंडल जप्त

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले में नकली बीड़ी को बेचने वाला रैकेट सक्रिय है। खामगांव में 24 दिसंबर की शाम को, पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा है जो नकली तरीके से ऊंट बीड़ी बना कर उसे बेच रहा था। उस के गबजेनकली बीड़ी माल जब्त कर लीया गया। उंटबिडी कंपनी के मॅनेजर किरण मंगा पाटील वय ४४ रा.बोरगाव मंजू जि.अकोला ईन्होने शहर पुलिस स्टेशन मे शिकायत दी थी। खामगांव,

सिंधी कॉलोनी से अनिल अशोक कुमार बसंतवानी बाजार में ऊंट की बीडी बनाकर बजार मे बेज रहा है। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने कल बसंतवानी के संस्कार ट्रेडर्स पर छापा मारा और 11,373 रुपये की 855 नकली बीड़ी पाई गई। पुलिस ने बीड़ी को जब्त कर लिया और बसंतवानी के खिलाफ धारा 102, 103 और 104 और कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 51 और 63 के तहत मामला दर्ज किया।

रामपुर हलचल

कृषि कानून के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों की एक रैली का आयोजन

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। कृषि कानून के खिलाफ आन्दोलन कर रहे किसानों की एक रैली का आयोजन उत्तराखण्ड से होकर बाया टाण्डा से गुजरते दिल्ली रैली का स्वागत भारतीय किसान संस्था के संस्थापक अ० गफूर इंजी० द्वारा किया गया किसानों की रैली को देखते हुए पुलिस भी मौके पर तैनात रही किसी भी प्रकार से कोई साम्प्रदायिक घटना होने आदि का भी समाचार नहीं है।

581 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर विदेशी मुद्रा भंडार, 2.56 अरब डॉलर की बढ़त

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 2.563 अरब डॉलर बढ़कर 581.131 अरब डॉलर की नई रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इससे पहले पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 77.8 करोड़ डॉलर घटकर 578.568 अरब डॉलर पर था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में बढ़ोतरी आने के कारण मुद्रा भंडार में तेजी दर्ज की गई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, कुल विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा

होती हैं। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार समीक्षावधि में एफसीए 1.382 अरब डॉलर बढ़कर 537.727 अरब डॉलर हो गई। उल्लेखनीय है कि एफसीए को दर्शाया डॉलर में जाता है, लेकिन इसमें यूरो, पौंड और येन जैसी अन्य विदेशी मुद्राएं भी शामिल होती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 18 दिसंबर को समाप्त हुए समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान देश का स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.008 अरब डॉलर बढ़कर 37.020 अरब डॉलर हो गया। देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में मिला विशेष आहरण अधिकार 1.2 करोड़ डॉलर की बढ़त के साथ 1.515 अरब डॉलर और आईएमएफ के पास जमा मुद्रा भंडार भी 16 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.870 अरब डॉलर हो गया।

महिला मित्र से छेड़छाड़ का विरोध करने वाले पत्रकार की मौत, दोषियों की तलाश जारी

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक पत्रकार ने अपनी महिला मित्र से छेड़छाड़ का विरोध किया था। इस पर कथित तौर पर छेड़छाड़ करने वाले बदमाशों ने पत्रकार पर हमला कर दिया था। जानकारी के अनुसार यह घटना कुछ दिन पहले ही हुई थी। वहीं, 23 दिसंबर को मारपीट में घायल हुए पत्रकार की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने कहा है कि, उसके (पत्रकार) साथ पांच-सात दिन पहले एक झगड़े में मारपीट हुई थी। इस मामले में आईपीसी की धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। हमें हमलावरों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी के आधार पर कुछ सबूत मिले हैं। दोषी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्वस्थ रहने के लिए रूटीन में शामिल करें ये 10 हैल्दी आदतें

हर कोई अच्छे, हैल्दी और स्वस्थ जीवन की ख्वाहिश रखता है। स्वस्थ रहने के लिए आप हैल्दी डाइट से लेकर एक्सरसाइज तक करते हैं। इसके बावजूद भी आप कई बीमारियों की चपेट मे आ जाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्वस्थ रहने के लिए कुछ अच्छी आदतों का होना बेहद जरूरी है। कई बार आप कुछ चीजों को लेकर लापरवाह हो जाते है और बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में आज हम आपको 10 हैल्दी आदतों के बारे में बताएंगे, जिसे रूटीन में शामिल करके आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं।

रूटीन में शामिल करें ये हैल्दी आदतें

1. बाहर से घर आने के बाद, भोजन पकाने से पहले, खाना खाने के पहले या बाद में और बाथरूम का इस्तेमाल करने के बाद हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोएं। यदि आपके घर में कोई छोटा बच्चा है तब तो यह और भी जरूरी हो जाता है। उसे हाथ लगाने से पहले अपने हाथ अच्छी तरह से धोएं।

2. स्वस्थ रहने के लिए रोजाना रुटीन में कुछ हल्की-फुल्की एक्सरसाइज, व्यायाम या योग शामिल करें। कुछ समय निकालकर सुबह-शाम सैर जरूर करें। इससे आपकी आधी से ज्यादा समस्याएं दूर हो जाएगी।

3. 45 की उम्र के बाद अपना रूटीन चेकअप करवाते रहें और अगर डॉक्टर आपको कोई दवाई देता है तो उसे नियमित रुप से लें। बीमारियों से बचने के लिए सिर्फ दवाइयां ही नहीं, रोज कोई भी एक व्यायाम रोज जरूर करें। अगर इसके लिए समय नहीं निकाल पा रहे तो दफ्तर या घर की सीढ़ियां चढ़ने और तेज चलने का रूटीन अपनाएं। इसके अलावा कोशिश करें कि दफ्तर में भी आपको बहुत देर तक एक ही पोजीशन में न बैठा रहना पड़े।

4. बिजी शेड्यूल के चक्कर में अक्सर लोग सुबह का नाश्ता नहीं करते लेकिन यह सेहत के लिए हानिकारक है। हैलेदी रहना चाहते है तो नाश्ते के साथ-साथ लंच और डिनर भी समय पर करें। इसके अलावा गर्मियों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं।

5. छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव न लें और अपने गुस्से को भी कंट्रोल में रखें। इससे भी आप कई बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए हमेशा खुश रहे और दिमाग पर ज्यादा जोर न डालें। अपनी भावनाओं को दूसरों के साथ शेयर करें। इससे आपको हल्का महसूस होगा।

6. अपने विश्राम करने या सोने के कमरे को साफ-सुथरा, हवादार और खुला-खुला रखें। चादरें, तकियों के गिलाफ तथा पर्दों को 3 से 4 दिन में बदलते रहें। मैट्रेस या गद्दों को भी समय-समय पर धूप में रखें, ताकि उसकी धूल-मिट्टी और किटाणु निकल जाएं।

7. खाने में सलाद, दही, दूध, दलिया, हरी सब्जियों, साबुत दाल-अनाज आदि का इस्तेमाल जरूर करें। कोशिश करें कि आपकी प्लेट में 'वैरायटी ऑफ फूड' शामिल हो। खाना पकाने तथा पीने के लिए साफ पानी का प्रयोग करें और सब्जियों तथा फलों को अच्छी तरह धोकर खाएं।

8. भोजन पकाने के लिए अनसैचुरेटेड वेजिटेबल औयल जैसे- सोयाबीन, सनफ्लावर, मक्का या औलिव ऑयल का प्रयोग करें। खाने को सही तापमान पर पकाएं और ज्यादा पकाकर सब्जियों आदि के पौष्टिक तत्व नष्ट न करें। साथ ही ओवन का प्रयोग करते समय तापमान का खास ध्यान रखें। जंकफूड, सॉफ्ट ड्रिंक, मसालेदार भोजन और आर्टिफिशियल शक्कर से बने जूस का सेवन न करें।

9. घर में सफाई पर खास ध्यान दें, खासकर रसोई और शौचालयों पर। पानी को कहीं भी इकट्ठा न होने दें। सिंक, वॉश बेसिन आदि जैसी जगहों पर नियमित रूप से सफाई करें तथा फिनाइल, फ्लोर क्लीनर आदि का इस्तेमाल करती रहें।

10. रात का खाना 8 बजे तक कर लें और रात के समय ज्यादा हैवी भोजन न करें। ध्यान रहे कि भोजन हल्का-फुल्का हो। इसके अलावा सोने से पहले 15 से 20 मिनट टहलना ना भूलें।

Hair Oiling करते समय आप भी करती है ये 3 गलतियां ?

बालों को घना, मजबूत और खूबसूरत बनाने के लिए लड़कियां कई तरह के हेयर केयर टिप्स अपनाती है। उनमें से बालों को धोने से पहले स्कैल्प की तेल से मसाज करना। जिसे करते समय वह कई तरह की गलतियां कर देती है जिससे बालों को फायदा होने की बजाय नुकसान होने लगता है। इसलिए बालों को खूबसूरत, घना और लंबा बनाने के लिए ऑयलिंग करते हुए कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत होती है। आज हम आपको बताएंगे, ऑयलिंग करते वक्त लड़कियां क्या-क्या गलतियां करती है?

1. कंघी न करना
सभी लड़कियां बालों पर ऑयलिंग करने से पहले कभी कंघी नहीं करती, जिसके कारण मसाज करने के बाद बाल और बी ज्यादा उलझ जाते हैं। फिर बाद में इसे कंघी करने पर यह टूटने लगते हैं। इसलिए बालों को झड़ने से बचाने के लिए ऑयलिंग करने से पहले कंघी जरूर करें।

2. केवल उंगुलियों का इस्तेमाल
बालों की तेल से मसाज करने के लिए सभी उंगुलियों का ही प्रयोग करते हैं। अगर आप भी ऐसा करती है तो आज से ही अपनी इस आदत को बदल लें क्योंकि इस तरह मसाज से बालों को पूरी तरह फायदा नहीं मिल पाता। इसलिए बालों को ऑयलिंग करने से पहले तेल के हल्का गर्म करके रुई के साथ स्कैल्प और बालों पर लगाएं।

3. बालों को कस कर बांधना
ऑयलिंग के बाद सभी लड़कियां बालों का टाइट करके बांध लेती है, जिससे बाल टूटने की समस्या हो सकती है क्योंकि बालों की तेल से मसाज करने के बाद ये सॉफ्ट हो जाते हैं। इसलिए इसके बाद हमेशा लूज पोनीटेल बनाएं।

रात को सोने से पहले खाएं यह 1 चीज, नहीं होगा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा

बड़ी इलायची खाने का स्वाद बढ़ाने के अलावा सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, फाइबर और पोटेशियम आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो सिर दर्द से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां को होने से रोकती हैं। इसे काली इलायची के नाम से भी जाना जाता है। यह शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालने में मदद करती है। अगर आप रात में सोने से पहले 1 बड़ी इलायची खाकर गर्म पानी पीते हैं तो आप इन स्वस्थ संबधी समस्याओं से बच सकते हैं।

1. तनाव से मिलें राहत
अगर आपको किसी तरह का तनाव है तो रात 1 इलायची खाकर सो जाए। इससे आपको अच्छी नींद आएगी और सुबह फ्रैश भी फील होगा। इसके अलावा यह एक पेनकिलर की तरह काम करती है। इसके सेवन से सिर दर्द की समस्या से राहत मिलती है।

2. कैंसर को रोके
बड़ी इलायची में एंटी कैंसर और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो शरीर को ब्रेस्ट, कोलोन और ओवेरियन कैंसर आदि गंभीर बीमारियों से बचा कर रखते हैं।

3. इंफैक्शन से बचाए
इसमें एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो बैक्टीरियल सक्रमण से होने वाले रोगों को दूर करने में मदद करते हैं।

4. मुंह की दुर्गंध करें दूर
अगर आप मुंह की दुर्गंध से परेशान है तो रोजाना इसे चबाएं। इसके अलावा यह मुंह के घावों को ठीक करने के लिए काफी फायदेमंद है।

5. अस्थमा से दिलाएं राहत
बड़ी इलायची में पाए जाने वाले एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल तत्व शरीर को फेफड़ों की समस्याओं जैसे अस्थमा और खांसी से बचाए रखती है।

दांतों के पीलेपन से हैं परेशान तो आपके बड़े काम आएगी ये घरेलू चीजें

दांत चेहरे की खूबसूरत को बढ़ाने का काम करते हैं। रोजाना दिन में दो बार ब्रश करने और उचित देखभाल करने से दांत मोतियों की तरह चमकने लगते हैं। मगर गुटका, पान, तंबाकू, सिगरेट, शराब, ज्यादा मीठा खाना, धूम्रपान करना, बिना ब्रश किए खाना खाना, रोजाना दांत की सफाई न करने से, दांतों में पीलापन आ जाता है। दांतों की चमक वापिस पाने और पीलापन दूर करने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। मगर उससे भी कोई फायदा नहीं होता। ऐसे में आप घेरलू चीजों का इस्तेमाल करके दांतों को मोतियों की तरह चमका सकते हैं।

1. सेब
दांतों का पीलपन दूर करने के लिए सेब का इस्तेमाल करें। सब का एक टुकड़ा लें। इसको दांतों पर अच्छे से रगड़े। कुछही दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा। रोजाना सेब खाने से भी दांत साफ होते हैं।

2. स्ट्रॉबेरी
स्ट्रॉबेरी को खाने के अलावा दांत चमकाने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। पकी हुई स्ट्रॉबरी को पिचकाकर दांतों पर रगड़ने से पीलापन खत्म होता है। आप ब्रश भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बाद में गुनगुने पानी से कुल्ला करना न भूलें।

3. कोयला
कोयला भी दांच चमकाने का काम करता है। सबसे पहले एक कोयला लें। इसको अच्छे से पीस लें। अब रोजाना इसे दातों पर मंजन करें। इसके कण पीलेपन को खत्म करके दांतों को चमका देते हैं।

4. बेकिंग सोडा
बेकिंग सोड़ा भी दांतों का पीलापन दूर करने और इसको चमकाने का काम करता है। टूथब्रश करने के बाद बेकिंग सोडे को दांतों पर रगड़े। लगातार ऐसा करते रहे। कुछ ही दिनों में दांत मोतियों की तरह चमकने लगेंगें।

5. संतरे का छिल्का
संतरे के छिलके से रोज दांतों की सफाई करें। रोज रात को सोते समय संतरे के छिलके को दांतों पर रगड़ें। संतरे के छिलके में विटामिन सी और कैल्शियम होता है जो दांतों की मजबूती और चमक बनाए रखता है।

6. नींबू
नींबू में कुदरती ब्लीचिंग गुण होते हैं। इसको दांतों पर रगड़ने से भी दांत मोतियों की तरह चमकने लगते हैं। नींबू का रस लें उसमें थोड़ा सा नमक मिलाकर मसाज करें। ऐसा दो हफ्तों तक रोजाना करने से दांत चमकने लगेंगे।

7. केले
केले के छिलके के अंदर के हिस्से को दांतों पर रगड़ें और बाद में गुनगुने पानी से कुल्ला कर लें। दांतों का पीलापन धीरे-धीरे कम होने लगता है।

8. नीम
नीम में दांतों को सफेद बनाने व बैक्टीरिया को खत्म करने के गुण पाए जाते हैं। यह नैचुरल एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-सेप्टिक है। रोजाना नीम के दातून करने से दांत साफ होने के साथ ही उनका पीलापन भी दूर होता है।

9. गाजर
रोजाना गाजर खाने से भी दांतों का पीलापन कम हो जाता है। दरअसल, भोजन करने के बाद गाजर खाने से इसमें मौजूद रेशे दांतों की अच्छे से सफाई कर देते हैं। इससे दांत पीले नहीं होते।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान खान और कैटरीना कैफ एक बार फिर पर्दे पर मचाएंगे धमाल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और कैटरीना कैफ अब तक साथ में कई हिट फिल्म दे चुके हैं। दोनों की जोड़ी दर्शकों को काफी पसंद आती है। अब दोनों एक बार फिर साथ में नजर आएंगे। खबरों के अनुसार सलमान और कैटरीना जल्द ही अपनी हिट फेंचाइजी 'टाइगर' की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि सलमान और कैटरीना मार्च, 2021 से 'टाइगर 3' की शुटिंग शुरू करेंगे। टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म तीन शेड्यूल में शूट होगी। फिल्म का पहला शेड्यूल मुंबई में ही पूरा किया जाएगा। इस समय सलमान खान बिग बॉस 14 और अंतिम में व्यस्त हैं और कैटरीना कैफ 'फोन भूत' की शूटिंग कर रही हैं। अपने-अपने ये प्रोजेक्ट्स खत्म करने के बाद सलमान खान और कैटरीना कैफ की जोड़ी 'टाइगर 3' की शूटिंग में बिजी हो जाएगी। मुंबई का शेड्यूल मार्च 2021 में पूरा करने के बाद पूरी टीम मिडिल ईस्ट के लिए रवाना होगी, जहां दूसरे शेड्यूल की शूटिंग होगी। तीसरा और अंतिम शेड्यूल के फिर से मुंबई में होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि टाइगर सीरीज का तीसरा पार्ट पहली दो फिल्मों की तुलना में अधिक भव्य पैमाने पर बनाया जाएगा। अभी तक 'टाइगर 3' में विलेन के भूमिका निभाने वाले कलाकार के नाम पर मुहर नहीं लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने कहा, यह पक्का नहीं है कि फिल्म का टाइटल 'टाइगर 3' ही होगा, लेकिन संभावना है कि इसे बदला नहीं जाएगा। आज के समय में यह टाइटल चलने वाला है। बता दें कि 'टाइगर 3' को मनीष शर्मा डायरेक्ट करेंगे। 'एक था टाइगर' का पहला पार्ट कबीर खान ने जबकि दूसरा पार्ट 'टाइगर जिंदा है' अली अब्बास जफर डायरेक्ट किया था। अली इन दिनों कैटरीना के साथ एक और फिल्म पर काम कर रहे हैं।

शादी की खबरों पर आलिया भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत जोड़ियों में से एक आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की जोड़ी है। दोनों की शादी की डेट्स को लेकर कई बार कयास लगाए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कंफर्म नहीं हो पाई। चर्चा थी की ये कपल इस साल के आखिरी महीने में अपना घर बसा लेगा। अब आलिया भट्ट ने खुद अपनी शादी को लेकर बात की और कहा कि वो अभी शादी के मूड मे नहीं हैं। पहले खबरें आई थी कि कोरोना की वजह से फिलहाल रणबीर और आलिया की शादी को टाल दिया गया है। अब रिपोर्ट्स में एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम लाइव चैट के हवाले कहा जा रहा है कि आलिया से उनकी शादी को लेकर सवाल किया गया था, जिसमें उन्होंने कहा कि वो अभी शादी के मूड में नहीं हैं। आलिया भट्ट ने कहा कि हर कोई उनसे क्यों पूछ रहा है कि वो कब शादी करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि वो केवल 25 की हैं और उन्हें लगता है कि अभी शादी करना काफी जल्दी होगा। और अगर किसी को मुझसे सवाल करना ही है तो मेरे काम के बारे में करें। शादी जब भी होगी तब बता दिया जाएगा। इससे पहले खबरें आई थी कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की डेस्टिनेशन वेडिंग की प्लानिंग की जा रही थी, लेकिन दोनों की फैमिली ने डिसाइड किया था कि शादी मुंबई में दिंसबर के आखिरी 10 दिनों में की जाएगी।

साहो के निर्देशक सुजीत की अगली फिल्म में नजर आएंगे विक्की कौशल!

साउथ इंडस्ट्री के जाने माने डायरेक्टर सुजीत ने अपने करियर की शुरूआत साल 2014 में फिल्म 'रन राजा रन' से की थी। इसके बाद सुजीत ने साउथ के बाहुबली अभिनेता प्रभास के साथ मिलकर साहो का निर्माण किया। जिससे उनको बड़ी सफलता हासिल हुई। आज सुजीत साउथ के मशहूर डायरेक्टर की लिस्ट में आते है। सुजीत के साथ साथ काम करना हर अभिनेता का सपना होता है। ऐसे में अब खबरें सामने आ रही है कि वो एक बड़ी और शानदार फिल्म बनाने जा रहे हैं। जिसके लिए उन्होंने बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता विक्की कौशल को लीड रोल के लिए चुना है। खबरों के अनुसार विक्की कौशल एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए डायरेक्टर सुजीत के साथ बातचीत कर रहे है। जिसकी कहानी हाल ही में विक्की कौशल को सुनाई गई है। एक प्रमुख बॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस विक्की कौशल के साथ हाथ मिलने के लिए कथित तौर पर सुजीत का समर्थन कर रहा है।